हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला | अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

जबलपुर, शनिवार 31 अक्टूबर 2026

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

जन सुरक्षा युवा सृजन संवाद के तहत छात्राओं ने किया पुलिस थानों का भ्रमण

मण्डला। उच्च शिक्षा विभाग, मध्यप्रदेश शासन एवं मध्यप्रदेश पुलिस (सामुदायिक पुलिसिंग) की संयुक्त पहल पर संचालित 'जन सुरक्षा युवा सृजन संवाद' कार्यक्रम के अंतर्गत 30 अक्टूबर को प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, रानी दुर्गावती शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मंडला की छात्राओं ने सिटी कोतवाली, महिला थाना एवं महाराजपुर थाना का भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा छात्राओं को पुलिस की कार्यप्रणाली, कानून एवं सुरक्षा व्यवस्था, महिला सुरक्षा, बाल संरक्षण तथा नशामुक्ति से संबंधित कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी गई। साथ ही शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया, साइबर अपराधों से बचाव तथा आपातकालीन परिस्थितियों में पुलिस से सहायता प्राप्त करने के तरीकों के बारे में विस्तार से बताया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. टी.पी. मिश्रा ने इस पहल को छात्राओं में सुरक्षा संबंधी जागरूकता एवं आत्मविश्वास विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण बताया।

रामबाई का निधन राजपूत परिवार में शोक

भुआबिछिया। नगर के प्रतिष्ठित व्यवसायी/समाजसेवी एवं विभूति किराना दुकान के संचालक आशीष (बाबूजी), अनिल(अन्नू) राजपूत की माताजी एवं अनाज व्यापारी इन्द्रेश (इंदू सेठ), भुनेश राजपूत की भाभी श्रीमती रामबाई / भभूत सिंह राजपूत का आज हृदयगति रुक जाने से नागपुर में 4.00 बजे दुःखद निधन हो गया है। अंतिम संस्कार आज 30/10/2026 शुक्रवार को 11.00 बजे मुक्तिधाम बिछिया में किया गया।

जनविश्वास अभियान के तहत बिछिया में शिविर का आयोजन

लोगों की समस्याओं के-लिये आवेदन

*** मछली पालन एवं पशुपालन अपनाने के लिए किया प्रेरित।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला





जनविश्वास अभियान के तहत बिछिया में जनसंवाद शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में प्रदेश की कैबिनेट मंत्री श्रीमती संपतिया उइके शामिल हुईं। इस दौरान उन्होंने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने तथा आजीविका के नए अवसर अपनाकर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने का आह्वान किया। शिविर में नागरिकों से विभिन्न समस्याओं एवं मांगों से संबंधित आवेदन प्राप्त किए गए तथा उनके निराकरण की प्रक्रिया सुनिश्चित की गई।

मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने कहा कि किसान भाई पारंपरिक खेती के साथ-साथ आय के अन्य स्रोत भी विकसित करें। मशरूम उत्पादन कम लागत में अतिरिक्त आय अर्जित करने का अच्छा माध्यम है। प्रत्येक किसान को मशरूम उत्पादन के लिए आगे आना चाहिए, ताकि खेती के साथ उनकी आमदनी में भी वृद्धि हो सके। उन्होंने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा किसानों के हित में अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं। किसान इन योजनाओं का लाभ लेकर अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत करें। पारंपरिक खेती के साथ मछली पालन, पशुपालन एवं मशरूम उत्पादन जैसी गतिविधियां अपनाने से आय के अतिरिक्त अवसर विकसित होंगे और ग्रामीण परिवार आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ेंगे।

उन्होंने कहा कि शासन की मंशा है कि प्रत्येक पात्र हितग्राही तक योजनाओं का लाभ पहुंचे और आम नागरिकों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए परेशान न होना पड़े। जनविश्वास अभियान इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसके माध्यम से प्रशासन और नागरिकों के बीच सीधा संवाद स्थापित किया जा रहा है। कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे ने शिविर में प्राप्त आवेदनों एवं जनसमस्याओं के संबंध में संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नागरिकों से प्राप्त प्रत्येक आवेदन को गंभीरता से लेते हुए उसका परीक्षण किया जाए तथा पात्रता के आधार पर समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाए। जिन समस्याओं का तत्काल समाधान संभव है, उनका मौके पर ही निराकरण किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि आवेदकों को की गई कार्रवाई एवं निराकरण की स्थिति से भी अवगत कराएं, ताकि आमजन को शासकीय सेवाओं का सहज लाभ मिल सके। शिविर के दौरान विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत लाभान्वित हितग्राहियों को हितलाभ वितरित किए गए। शिविर में अपर कलेक्टर श्रीमती सोनल सिडाम, एसडीएम बिछिया कुलदीप पटेल सहित संबंधित विभागों के अधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।





जन सुरक्षा–युवा सृजन संवाद के तहत 200 छात्र-छात्राओं ने किया पुलिस थानों का भ्रमण



*** थानों की कार्यप्रणाली, साइबर फ्रॉड से बचाव, महिला एवं बाल सुरक्षा तथा डायल-112 की दी गई जानकारी।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

पुलिस अधीक्षक मंडला राजेश रघुवंशी के निर्देशन में संचालित "जन सुरक्षा–युवा सृजन संवाद" कार्यक्रम के अंतर्गत दिनांक 30 अक्टूबर 2026 को रानी दुर्गावती शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मंडला के लगभग 200 छात्र-छात्राओं द्वारा थाना कोतवाली, थाना महाराजपुर एवं महिला थाना का भ्रमण किया गया।

पुलिस की कार्यप्रणाली से कराया परिचित

थाना भ्रमण के दौरान छात्र-छात्राओं को पुलिस थानों की कार्यप्रणाली, पुलिस द्वारा की जाने वाली विभिन्न वैधानिक कार्रवाइयों तथा थाने में संपादित होने वाले कार्यों के संबंध में जानकारी दी गई। इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों को पुलिस व्यवस्था की व्यावहारिक जानकारी प्रदान करना तथा पुलिस एवं युवाओं के बीच संवाद और विश्वास को मजबूत करना है।

साइबर फ्रॉड से बचाव के बताए उपाय

विद्यार्थियों को वर्तमान समय में होने वाली ऑनलाइन धोखाधड़ी एवं साइबर अपराधों के विभिन्न तरीकों की जानकारी देते हुए उनसे बचाव के संबंध में समझाइश दी गई।

महिला एवं बाल सुरक्षा के प्रति किया जागरूक

थाना भ्रमण के दौरान छात्र-छात्राओं को महिलाओं के विरुद्ध होने वाले अपराधों, बच्चों के विरुद्ध अपराधों तथा इनकी रोकथाम में पुलिस की भूमिका के संबंध में जानकारी दी गई।

डायल-112 की उपयोगिता बताई

विद्यार्थियों को आपातकालीन परिस्थितियों में पुलिस सहायता प्राप्त करने के लिए डायल-112 की उपयोगिता एवं महत्व के संबंध में जानकारी दी गई।



करवा चौथ पर्व व्रत दीपदान कर पति की लम्बी उम्र की मांगी दुआ

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/भुआबिछिया





कार्तिक के पवित्र माह में पति की लंबी उम्र की कामना के साथ महिलाओं ने किया करवा चौथ का व्रत और पूजा अनुष्ठान कर करवा चौथ के चांद का दर्शन कर अपना व्रत पूरा किया।

दीपावली के पूर्व नगर के सभी परिवारों में महिलाओं ने प्रातः काल से करवा चौथ व्रत की तैयारी में लग गई पूरा दिन तैयारी में सुंदर करवा चलनी फूल मीठा ओर सुंदर पकवान बनाया गया और संध्या काल होते ही सभी घरों में पूजन कर महिलाओं ने सुंदर परिधान वस्त्र आभूषण धारण कर घरों की छतों में अपने पतियों के साथ पहुंच कर पतियो के साथ चलनी से चांद को देखा फिर चांद से अपने पतियों की लंबी उम्र की कामना करते हुए परिवार के लिए सुख समृद्धि की कामना की और पतियों ने अपनी पत्नी को जल मिष्ठान खिला कर उनका व्रत पूरा किया।

इसके पश्चात सभी महिलाओं ने सरोबार नदी तालाब में जाकर दीप दान किया ओर मंदिर में भगवान के दर्शन कर अपने परिवार के लिए सुख समृद्धि की कामना की करवा चौथ के दिन देर रात तक राममंदिर के सामने एनीकट में महिलाओं की भीड़ देखी गई महिलाओं ने सरोवर में दीप दान कर मंदिर के दर्शन कर अपना करवा चौथ व्रत पूरा किया।

नैनपुर में खाद्य प्रतिष्ठानों की जांच, अनियमितताओं पर हुई कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला



कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे के निर्देशानुसार जिले में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता एवं सुरक्षित खाद्य सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा लगातार निरीक्षण किया जा रहा है। इसी क्रम में 28 एवं 29 अक्टूबर को नैनपुर में खाद्य सुरक्षा प्रशासन, राजस्व विभाग एवं नगर पालिका की संयुक्त टीम ने विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों की जांच की। चलित खाद्य प्रयोगशाला के माध्यम से मिठाई दुकानों, दूध डेयरियों एवं होटलों में खाद्य पदार्थों की मौके पर जांच कर नमूने लिए गए। 28 अक्टूबर को माधव फ्रेश जलपान गृह, जय हिंद दूध डेयरी, गायत्री दूध डेयरी, गुप्ता स्वीट्स, बीकानेर स्वीट्स एवं मधुराम स्वीट्स का निरीक्षण किया गया। 29 अक्टूबर को बस स्टैंड स्थित खंडेलवाल होटल में स्वच्छता संबंधी कमियां पाए जाने पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज किया गया तथा नगर पालिका द्वारा 2 हजार रुपये का स्पॉट फाइन किया गया। इसी दिन खंडेलवाल होटल, प्रेम लस्सी सेंटर, अरिहंत स्वीट्स, बीकानेर स्वीट्स एवं कल्याण होटल से खाद्य पदार्थों के नमूने लिए गए। तीन प्रतिष्ठानों को सुधार सूचना पत्र भी जारी किए गए। इसके अतिरिक्त घरेलू गैस के व्यावसायिक उपयोग पर कार्रवाई करते हुए संयुक्त टीम ने मुंबई बड़ा पाव सेंटर से एक घरेलू गैस सिलेंडर जब्त किया। प्रशासन द्वारा खाद्य कारोबारियों को स्वच्छता, खाद्य गुणवत्ता एवं निर्धारित नियमों का पालन करने के निर्देश दिए गए हैं। जिले में इस तरह की जांच एवं कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

जनगोष्ठी | **लोकतंत्र की मजबूती के लिए जन-जन तक पहुंच रहा भाजपा का अभियान।**

लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ के तहत कार्यक्रम





*** प्रबुद्धजनों एवं वरिष्ठ नागरिकों का हुआ सम्मान।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

भारतीय जनता पार्टी द्वारा देशभर में चलाए जा रहे 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' अभियान के अंतर्गत मंडला नगरपालिका टाउन हॉल में प्रमुख नागरिक गोष्ठी आयोजित की गई। अभियान के माध्यम से भाजपा कार्यकर्ता आमजन, युवाओं, विद्यार्थियों एवं समाज के विभिन्न वर्गों के बीच पहुंचकर लोकतांत्रिक व्यवस्था, संविधान, चुनाव प्रक्रिया और मतदाता सूची से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर संवाद कर रही हैं। यह अभियान आगामी 5 नवंबर तक विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से चलाया जाएगा। सर्वप्रथम गोष्ठी का शुभारंभ भारत माता के तैलचित्र पर दीप प्रज्ज्वलित से किया गया। कार्यक्रम में समाज के विभिन्न वर्गों से जुड़े वरिष्ठ नागरिकों, प्रबुद्धजनों एवं विशिष्ट नागरिकों का माला पहनाकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि प्रदेश की कैबिनेट मंत्री संपतिया उईके रहीं, वही मंडला सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते वर्चुअल माध्यम से कार्यक्रम में शामिल हुए और वरिष्ठजनों एवं समाज के विभिन्न वर्गों को संबोधित किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते ने कहा कि कांग्रेस द्वारा लगातार भ्रम और अराजकता का वातावरण बनाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि एसआईआर मतदाता सूची को व्यवस्थित, पारदर्शी और अधिक विश्वसनीय बनाने की प्रक्रिया है। इसका उद्देश्य मतदाता सूची में मौजूद विसंगतियों को दूर करना और पात्र मतदाताओं के नाम सुनिश्चित करना है। वहीं प्रमुख नागरिक गोष्ठी को संबोधित करते हुए प्रदेश की कैबिनेट मंत्री संपतिया उइके ने कहा कि कांग्रेस एसआईआर की प्रक्रिया को लेकर देश की जनता में भ्रम फैलाने का काम कर रही है। कांग्रेस द्वारा आमजन को गुमराह करने का प्रयास किया जा रहा है, जबकि एसआईआर मतदाता सूची को अधिक व्यवस्थित और विश्वसनीय बनाने की प्रक्रिया है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए यह आवश्यक है कि मतदाता सूची में वास्तविक और पात्र मतदाताओं के नाम दर्ज हों। फर्जी, दोहरे अथवा अपात्र नामों को हटाना लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि जनता अब कांग्रेस के भ्रम और झूठ को समझ चुकी है और कांग्रेस को अपने इस रवैये का राजनीतिक खामियाजा भुगतना पड़ेगा। भाजपा जिला अध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा ने कहा कि कांग्रेस द्वारा एसआईआर को लेकर लगातार भ्रामक प्रचार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अब 'जेनजी' जैसे मुद्दों की आड़ लेकर भी आम जनता को भ्रमित करने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि एसआईआर के माध्यम से मतदाता सूची में दर्ज ऐसे नामों की पहचान की जा रही है, जिनका अस्तित्व नहीं है, जो एक से अधिक मतदाता सूचियों में दर्ज हैं अथवा जिनकी पात्रता पर सवाल है। ऐसी विसंगतियों को दूर करना लोकतांत्रिक व्यवस्था के हित में है। प्रफुल्ल मिश्रा ने कहा कि कांग्रेस को लोकतंत्र और मतदाता सूची की शुचिता को लेकर सकारात्मक भूमिका निभानी चाहिए, लेकिन इसके विपरीत कांग्रेस जनता के बीच भ्रम फैलाने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश लगातार विकास और सुशासन की दिशा में आगे बढ़ रहा है। कांग्रेस द्वारा प्रधानमंत्री के प्रति जिस प्रकार की भाषा और राजनीतिक वातावरण तैयार किया जा रहा है, वह लोकतांत्रिक मर्यादाओं के अनुरूप नहीं है। उन्होंने कहा कि 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' अभियान का उद्देश्य जनता को जागरूक करना और लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति विश्वास को मजबूत करना है।

जनविश्वास अभियान के तहत कलेक्टर ने किया भुआ बिछिया क्षेत्र का भ्रमण

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला



जनविश्वास अभियान के तहत कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे ने बिछिया क्षेत्र का भ्रमण कर विभिन्न शासकीय संस्थानों की व्यवस्थाओं एवं विभागीय गतिविधियों का जायजा लिया। भ्रमण के दौरान उन्होंने स्वास्थ्य, शिक्षा, महिला एवं बाल विकास तथा जनजातीय कार्य विभाग से संबंधित संस्थानों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासन की योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ आम नागरिकों तक प्रभावी ढंग से पहुंचाया जाए तथा संस्थानों में उपलब्ध सुविधाओं का बेहतर संचालन सुनिश्चित किया जाए।

कलेक्टर ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भुआ बिछिया का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता, मरीजों को दिए जा रहे उपचार, दवाइयों की उपलब्धता एवं अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने स्वास्थ्य केंद्र में आने वाले मरीजों को बेहतर एवं समय पर उपचार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। साथ ही स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता बनाए रखने और मरीजों की सुविधाओं का विशेष ध्यान रखने पर जोर दिया। इसके पश्चात कलेक्टर ने शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बिछिया का निरीक्षण किया। उन्होंने विद्यालय में संचालित शैक्षणिक गतिविधियों, विद्यार्थियों की उपस्थिति एवं उपलब्ध शैक्षणिक सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने शिक्षकों से चर्चा करते हुए विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने तथा शैक्षणिक गतिविधियों को बेहतर ढंग से संचालित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने वार्ड क्रमांक 02 चर्राटोला स्थित आंगनवाड़ी केंद्र का निरीक्षण कर बच्चों एवं महिलाओं को उपलब्ध कराई जा रही पोषण सेवाओं की जानकारी ली। उन्होंने आंगनवाड़ी केंद्र में बच्चों की उपस्थिति, पोषण आहार एवं अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने निर्देश दिए कि बच्चों एवं गर्भवती तथा धात्री महिलाओं को शासन के निर्धारित प्रावधानों के अनुसार पोषण सेवाओं का लाभ नियमित रूप से मिले। कुपोषण की स्थिति में सुधार के लिए निरंतर प्रयास किए जाएं।

इसी क्रम में उन्होंने शासकीय सीनियर बालक छात्रावास का निरीक्षण किया। यहां विद्यार्थियों के रहने, भोजन, स्वच्छता एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने छात्रावास की व्यवस्थाओं को सुव्यवस्थित रखने के निर्देश देते हुए कहा कि छात्रावास में निवासरत बच्चों की सुविधाओं और स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखा जाए। बच्चों का नियमित स्वास्थ्य परीक्षण कराया जाए तथा निर्धारित डाइट प्लान के अनुसार उन्हें पोषणयुक्त भोजन उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।



अनघौरी में आयोजित जन संवाद शिविर में शामिल हुये शिक्षा मंत्री

सरकार व जनता के बीच विश्वास की मजबूत कड़ी है मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान- मंत्री उदय प्रताप

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा









मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत जनपद पंचायत सांईखेड़ा के अंतर्गत आने वाले ग्राम अनघौरी में शुक्रवार को जन संवाद शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश के परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह शामिल हुए। इस दौरान ग्रामीणों को शासन की विभिन्न योजनाओं से जोड़ने, स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने, महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने तथा स्वरोजगार एवं प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गईं। इस अवसर पर मंत्री श्री सिंह ने पौधरोपण कर नागरिकों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। वही शिविर में मंत्री सिंह ने 6 स्व-सहायता समूहों को 38 लाख रुपये के ऋण वितरित करने के साथ विभागीय स्टॉल के माध्यम से हितग्राहियों का पंजीयन किया गया। वही इस मौके पर उद्यम संवाद में उद्यमियों एवं प्राकृतिक खेती करने वाले किसानों ने साझा किए अपने अनुभव से अवगत कराया गया। वही स्वास्थ्य शिविर में हुई ग्रामीणों की निःशुल्क जांच का लाभ दिया गया। इस मौके पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुये क्षेत्र के विधायक तथा प्रदेश के कैबिनेट मंत्री सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान का मूल उद्देश्य शासन और आमजन के बीच विश्वास को मजबूत करना तथा शासन की योजनाओं एवं सेवाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। इसी उद्देश्य से ग्राम स्तर पर शिविर आयोजित किए जा रहे हैं, ताकि ग्रामीणों को विभिन्न शासकीय कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें और उन्हें एक ही स्थान पर योजनाओं की जानकारी एवं सेवाओं का लाभ मिल सके। इस दौरान उन्होने कहा की सरकार का प्रयास है कि प्रत्येक पात्र व्यक्ति को शासन की योजनाओं की जानकारी मिले और वह उनका लाभ लेकर आर्थिक एवं सामाजिक रूप से सशक्त बने। जनभागीदारी, जागरूकता और योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से ही आत्मनिर्भर एवं विकसित मध्यप्रदेश के संकल्प को साकार किया जा सकता है। इस मौके पर मौजूद राज्य महिला आयोग की सदस्य श्रीमती साधना स्थापक ने भी कार्यक्रम को संबोधित करते हुये शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं उनके माध्यम से आमजन को मिल रहे लाभ के संबंध में अपने विचार व्यक्त करते हुये कहा कि ऐसे आयोजनों से ग्रामीणों को एक ही स्थान पर विभिन्न विभागों की योजनाओं की जानकारी एवं सेवाओं का लाभ प्राप्त हो रहा है। इस कार्यक्रम में महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में 6 स्व-सहायता समूहों को कुल 38 लाख रुपये की ऋण राशि वितरित की गई। इसमें अम्बेडकर स्व-सहायता समूह पिपरिया कला को 3 लाख रुपये, श्रीराम स्व-सहायता समूह पिपरिया कला को 10 लाख रुपये, शिवाजी स्व-सहायता समूह पिपरिया कला को 10 लाख रुपये, मां नर्मदा स्व-सहायता समूह सोकलपुर को 6 लाख रुपये, गणेश स्व-सहायता समूह निबारी को 3 लाख रुपये तथा मां नर्मदा स्व-सहायता समूह खिरिया को 6 लाख रुपये की ऋण राशि प्रदान की गई। इस राशि से समूहों को स्वरोजगार एवं आजीविका संबंधी गतिविधियों को विस्तार देने में मदद मिलेगी। इसके अलावा उन्होंने विभिन्न योजनाओं के हितलाभ देकर लाभांवित किया। इस दौरान मंत्री सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने स्वास्थ्य शिविर सहित कार्यक्रम स्थल पर लगाए गए विभिन्न स्टॉलों का निरीक्षण किया गया। वही आयोजित स्वास्थ्य शिविर में कुल 88 लोगों ने ओपीडी के माध्यम से स्वास्थ्य परीक्षण कराया, जबकि 64 लोगों की एनसीडी जांच की गई। इसके अलावा 65 लोगों के एक्स-रे किए गए तथा 18 हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड बनाए गए। शिविर में 3 गर्भवती महिलाओं की एएनसी जांच की गई। साथ ही 5 हितग्राहियों को फूड बास्केट वितरित की गईं। साथ ही विभिन्न विभागों द्वारा विभागीय स्टॉल लगाए गए, जहां पात्र हितग्राहियों का शासकीय योजनाओं के लिए पंजीयन किया गया। विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने ग्रामीणों को योजनाओं की पात्रता, लाभ और आवेदन प्रक्रिया की जानकारी भी दी गई। जन विश्वास अभियान के तहत ग्राम पीपरपानी, अनघौरी (टुईयापानी) एवं रमपुरा में शिविर लगाए लगाए गए। इस दौरान 5 नागरिकों के नवीन आधार कार्ड बनाए गए और 77 नागरिकों के आधार में आवश्यक अपडेट किए गए। इस प्रकार कुल 82 नागरिकों को आधार संबंधी सुविधाएं प्रदान की गई। वही बताया जाता है कि कार्यक्रम के दौरान मंच से उद्यम संवाद का आयोजन किया गया। इसमें स्वरोजगार एवं उद्यमिता के क्षेत्र में कार्य कर रहे लोगों ने अपने अनुभव साझा किये तथा उन्होंने बताया कि किस प्रकार शासकीय योजनाओं और उपलब्ध अवसरों का लाभ लेकर वे अपनी आजीविका को बेहतर बना रहे हैं। मंत्री श्री सिंह ने कहा कि उद्यम संवाद का उद्देश्य सफल उद्यमियों के अनुभवों को अन्य लोगों तक पहुंचाना है, जिससे युवा एवं ग्रामीणजन स्वरोजगार के लिए प्रेरित हो सकें। कार्यक्रम में प्राकृतिक खेती करने वाले किसानों ने भी अपने अनुभव साझा किए। किसानों ने प्राकृतिक खेती अपनाने, इसके लाभ तथा कृषि में किए जा रहे नवाचारों के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने प्राकृतिक खेती के माध्यम से कृषि लागत कम करने और टिकाऊ कृषि पद्धतियों को अपनाने के अपने अनुभव बताए। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधि, सीईओ जिला पंचायत श्री गजेन्द्र सिंह नागेश के आलवा अन्य जिला एवं विकासखंड स्तरीय अधिकारी-कर्मचारी, हितग्राही और गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

कॉलोनियों से लेकर रहवासी मकानों का व्यावसायिक उपयोग होने से आमजन परेशान

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। नगर में इस समय देखा जा रहा है कि लोगों द्वारा अपने मकानों का पंजीयन रहवासी के रूप में कराते हुये उसमें खुलेआम किराये से देकर व्यावसायिक गतिविधियों का संचालन कराते हुये पैसा कमाने से नही चूक रहे है। इस तरह से किसी भी रहवासी मकान का व्यावसायिक रूप से उपयोग होना जहां नियम विरूद्ध माना जाता है तो दूसरी ओर आम लोगों को परेशानियों का सामना करने के लिये मजबूर होना पड़ता है। नगर की कालोनियों से लेकर कुलियों में संचालित होने वाली इन व्यावसायिक गतिविधियों की अनदेखी के चलते जहां संबंधित विभाग को राजस्व की क्षति हो रहे है तो दूसरी ओर बिजली विभाग की इस ओर अनजान बना होने के चलते घरेलू बिजली का उपयोग व्यावसाय में होते हुये देखा जाना आम बात बन चुकी है। इस तरह नगर के वार्डो से लेकर कुलियों में व्यावसायिक गतिविधियों का संचालन होने के चलते आम लोगों के लिये परेशानियों का सामना करते हुये देखा जा रहा है। मुख्य रूप से देखा जावे तो नगर की विजय कालोनी में रहवासी क्षेत्र के अंतर्गत अनेक जगहों पर धड़ल्ले से लायब्रेरी सहित कोचिंग सेन्टर संचालित होने के कारण यहां पर पहुंचने वाले छात्र



छात्राओं द्वारा अपने दो पहिया वाहन आसपास निवास करने वाले लोगों के घरों के सामने या फिर मुख्य मार्गो पर खड़े किये जाने के चलते कालोनी निवासियों का आने जाने में परेशान होते हुये देखा जा रहा है। इस सच्चाई से संबंधित विभाग को अनेकोबार अवगत कराय जाने के बाद भी कार्यवाही नही होने का परिणाम है कि जहां मकान मालिक अपने रहवासी मकानों को इस तरह की व्यावसायिक गतिविधियों को संचालित करने के लिये आसानी से उपलब्ध कराते हुये जेबे भर रहे है और कालोनी व मुहल्लों की आम जनता परेशान होने के लिये मजबूर हो रही है..? जबकि नियम के अनुसार बताया जाता है कि व्यावसायिक मकान का पंजीयन अलग से होता है उस पंजीयन के बाद ही उस आवास में व्यावसायिक गतिविधियों का संचालन किया जा सकता है। वही इसके लिये बिजली विभाग द्वारा भी बिजली उपयोग करने के लिये मीटर अलग से लगा होना चाहिये। मगर यहां पर खुलेआम जहां रहवासी मकानों में व्यावसायिक गतिविधियों की संचालन की सच्चाई को नजर अंदाज किये जाने का परिणाम है कि बिजली विभाग सहित नगर पालिका को राजस्व की क्षति पहुंचने से नही चूक रही है..? इतना ही नही नगर में लगातार विकसित हो रही नई कालोनियों में भी देखा जा रहा है कि लोगों द्वारा अपने आवासों का निर्माण करते हुये उन्हें किराये पर दे दिये जाते है। वहां पर व्यावसायिक गतिविधियों में मुख्य रूप से किराना दुकान, फर्नीचर, बर्कशांप सहित अन्य प्रकार की दुकानों के संचालक होने के रहवासी लोग परेशान होते हुये देखे जा रहे है। मुख्य रूप से लकड़ी व वर्कशाप का कार्य होने के कारण शांति प्रिय रहवासी क्षेत्रों में ध्वनि सहित वायु प्रदूषण होने से नही बच पा रहा है। संबंधित विभाग से अपेक्षा व्यक्त की जाती है कि इस तरह रहवासी आवासों का व्यावसायिक उपयोग किये जाने की जांच करते हुये इस पर अंकुश लगाया जावे।

बिजली विभाग की उदासीनता के चलते ग्रामीण क्षेत्रों में घटित हो सकती है किसी दिन बड़ी घटना

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका। जहां एक ओर बिजली विभाग द्वारा लोगों को बिजली प्रदान करने के नाम पर बिलों की बसूली करने में कोई कसर नही छोड़ी जाती है। वही दूसरी ओर सरकार द्वारा हर वर्ष बिजली विभाग को लाईनों में रख रखाव के नाम पर भी करोड़ो रूपया खर्च किये जाते है। मगर इसके बाद भी देखा जा रहा है कि बिजली विभाग द्वारा बिजली लाईनों के रख रखाव में बरती जा रही उदासीनता के चलते आम लोगों को परेशानियों का सामना करने के लिये मजबूर होना पड़ता है। जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो गांवों जिस प्रकार से वर्षो पुरानी लाईनों के माध्यम से बिजली विभाग द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों के खेतो से लेकर गांवों में बिजली सप्लाई की जाती है उसके चलते आये दिन लाईनों में खराब होने के कारण जहां लोगों



को अघोषित बिजली का संकट झेलने के लिये मजबूर होते हुये तो देखा ही जाता है। वही दूसरी ओर किसानों के खेतों से लेकर गांवों में वर्षो पुराने बिजली तार जिस प्रकार से झूला झूलते हुये देखे जाते है उसके चलते जब जरा सी हवा चलती है तो वह चिग्गारी छोड़ने से नही चूकते है। इसी का परिणाम है कि हर वर्ष सैकड़ो किसानों की खेतों में खड़ी हुई फसल जहां जलकर खाक हो जाती है। वही गांवों में लोगों के आशियाने भी जलने से नही बच पाते है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय सालीचौका, सांईखेड़ा सहित चीचली विद्युत वितरण केन्द्रो के अंतर्गत आने वाले अनेक गांवों मे देखने मिल रही है जहां पर गांव के अंदर लगी हुई बिजली लाईन की स्थिति इस प्रकार से देखी जा रही है कि लोगों के घरों के ऊपर बिजली तार झूला झूलते हुये नजर आने के साथ किसी बड़ी घटना को आमंत्रण देते हुये जान पड़ रहे है? इस प्रकार से ग्राम के अंदर लोगों के घरों के ऊपर से खस्ता हाल स्थिति में झूल रहे तारों से आये दिन हवा चलने के दौरान चिंगारी निकलते हुये देखी जाती है। वही ग्रामवासियों की जिन्दगी के लिये पूर्णरूप से खतरे की घंटी बजाने से भी नही चूक रहे है, जिसको लेकर ग्राम के लोगों द्वारा बिजली विभाग के अधिकारियों से गुहार लगाते हुये मांग की गई है कि समय रहते हुये इन झूला झूलते हुये बिजली तारों में सुधार करते हुये ग्रामवासियों के बीच पैदा हो रही दहशत को समाप्त किया जावे।

लगातार बढ़ रही महंगाई के दौर में बेरोजगार युवा सड़कों पर भटकने हो रहे मजबूर

हरिभूमि न्यूज/ खुलरी। नौजवानो में कुछ नया करने का जज्बा और समाज में बदलाव लाने की ताकत होती है। किन्तु जब उन्हे सम्मान,कोई काम नही मिलता है तो उम्मीदों से भरी उनकी ऑखो की चमक गायब होने लगती है और उनकी सक्रियता खत्म होने से वे परिवार पर बोझ बनने के साथ ही कुंठित होने लगते है। बदनसीबी की बात है कि शहर व क्षेत्र के गांवो में इन दिनों महॅगाई के अलावा युवाओं की बेरोजगारी की समस्या आमलोंगो को परेशान कर रही है। बताया गया है कि क्षेत्र में कालेजों से डिग्रियॉ लेने वाले हजारों युवा लम्बे अरसे से बेरोजगारी का दंश झेल रहे है। हालत यह है कि जिला रोजगार कार्यालय में वर्षो से पंजीयन कराने के बाद भी उन्हे ऐसी छोटी नौकरी भी नही मिल पा रही है,जिसके सहारे वे अपने घरो में खुशिया बिखरा सके , शहर के हालात पर यदि नजर डाली जाए तो यह सच्चाई उभरकर सामने आने लगी है कि शहरों में चलने वाले कोचिंग सेन्टरो,



महाविद्यालय, स्कूलो, सायवर कैफो से किताबी, तकनीकी ज्ञान प्राप्त कर हर वर्ष हजारों की तादाद में युवा निकलते है। मगर वह प्रतिभा वान होने के बावजूद उनको नौकरी की तलाश में दर दर भटकना पड़ता है। वही दूसरी ओर गौर किया जावे तो इनमें से कुछ नौजवान अनचाहा धंधा करने लगते हैं और कुछ शहरों से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में प्रायवेट शिक्षण संस्थाओं के फैले शोषण के जाल में उलझ कम तनख्वाह लेकर बच्चों को पढ़ानें लगते है और बहुत से बेरोजगार युवा ऐसे भी होते है जो बेकारी से तंग होकर मजबूरी वश ऐसे अवैध काम करने लगते है। जो उनके स्वभाव के विपरीत होते है। क्षेत्र में बेरोजगारो की संख्या में ईजाफा होने के कारण नौजवानो के भविष्य को लेकर अब क्षेत्र में चिंता की लहर दौड़ती प्रतीत हो रही है। विदित हो कि क्षेत्र में जब फैक्ट्रियॉ लगी थी, तो ऐसा लगा था कि क्षेत्र में नए रोजगार के अवसरो का सृजन होगा, लेकिन दुर्भाग्य से उक्त उपक्रमो में क्षेत्रीय नौजवानो को 25 प्रतिशत भी नौकरियॉ नसीब नही हुई? जिसका नतीजा है कि क्षेत्र में निरंतर बेरोजगार युवाओं की फौज बढ़ती रही और बेरोजगारी की समस्या ने जाटिल रूप धारण कर लिया। गौरतलब है कि आमतौर पर नौजवान स्वाभिमानी, जोशीले होते है, इसलिए बेकारी से तंग होने के बावजूद वे अपने दर्द का इजहार करने में संकोच करते है मगर इस उलट हकीकत यह रहती है कि नेता व साधन सम्पन्न बेरोजगार युवाओं को उपेक्षित करने लगते है तथा उनकी जिंदगी में कुछ नया करने की उमंग क्षीण होने लगती है, इस प्रकार से देखा जावे तो क्षेत्र में बेकार युवाओं की तादाद बढ़ते जाना सचमुच चिंता जनक बात है क्षेत्र में रोजगारोन्मुखी शिक्षा की व्यवस्था, सरकार स्तर के नए, औद्योगिक प्रतिष्ठान, रोजगार के अवसरो के सृजन, बेरोजगार युवाओं के हो रहे आर्थिक शोषण पर अंकुश लगाना अब समय की मॉग है, जिस पर तवज्जो देकर जनप्रतिनिधियो, शासकीय अधिकारियो, समाजसेवी संस्थाओं को क्षेत्र मिटाने सार्थक कदम उठाना चाहिए ताकि क्षेत्र के हर शिक्षित नौजवान को नौकर मिल सके और वह गर्व के साथ अपना जीवन व्यतीत कर सके।

शासकीय कार्यालयों में किराये से लगाने वाले वाहनों में शासन के नियमों को किया जा रहा है नजरअंदाज



हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। आबादी के बढ़तो दबाव के चलते पूरे जिले मे सड़कों पर दौडने वाले चार पहिया सवारी बाहनों की संख्या भी तेजी से बढ़ती चली जा रही है। इन वाहनों पर नियंत्रण के लिए नियम कायदे बने है,जिनका पालन कराने की जिम्मेदारी परिवहन विभाग की है मगर विभागीय सुस्ती के कारण सड़कों पर बगैर परमिट के अनेक टैक्सी धडल्ले से चल रहे है जिसको लेकर देखा जाता है कि प्रशासन द्वारा वाहन चैकिंग के नाम पर कभी कभार कागजी खानापूर्ति के लिए एक दो वाहनों का चालान कर दिया जाता है बगैर टैक्सी परमिट के दौड़नें वाले वाहनों की संख्या क्षेत्र में हजारों में है, जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो यहां पर स्थित अनेक कंपनियों द्वारा अनेक वाहनों को किराया पर ले किया गया है, जिनके किराये से लागने के लिए भी परमिट होना जरूरी होता है, मगर बिना टैक्सी परमिट के वाहन मे सवारियों का परिवहन करना सरासर परिवहन नियमों की अवहेलना हो रही है वही एक तरफ जहां नियमों के परखच्चे उड़ रहे है। वही दूसरी तरफ टैक्स के माध्यम से सरकार को मिलने वाले राजस्व मे भी कमी आ रही है, देखने मे आ रहा है कि अधिकांश जीप,मार्शल, बुलेरो, स्कारपियों या उसे जैसे वाहन निजी कंपनियों में किराय पर सवारी ढोने के काम मे लगे हुए है, इस प्रकार वाहन मालिक टैक्स की राशि बचाकर अपने वाहनों को सवारियों के परिवहन मे लगा देते है और परिवहन विभाग कभी इसी जांच के लिए व्यापक अभियान नही छेड़ता, परिणाम स्वरूप ऐसे वाहन धडल्ले से चल रहे और इनकी संख्या दिनोदिन बढ़ती जा रही है, जब कोई दुर्घटना होती है तब अधिकारियों से लेकर आम पब्लिक हाथ मलते रह जाती है, नगर में स्थित व क्षेत्र में स्थित अनेक कंपनियों में इसी प्रकार अधिकांश शासकीय विभागों मे निजी वाहनों को किराए पर लगाया गया है, जबकि शासन के स्पष्ट निर्देश है कि किसी भी सरकारी दफ्तर से आवश्यकता होने पर जो वाहन किराए पर लगाए जाएं उनका रजिस्ट्रेशन परिवहन विभाग मे टैक्सी वाहन के रूप मे होना अनिवार्य है, परिवहन विभाग के पास इन वाहनों पर कार्यवाही किये जाने की जानकारी नही मिली,शासन के आदेश की विभागीय अधिकारी विभाग भी इस दिशा मे उदासीनता प्रदार्शित करते हुये जान पड़ रहे है।

कौड़िया शमशान घाट क्षेत्र बना आसामजिक तत्वों का अड्डा

हरिभूमि न्यूज/कौड़िया।

जहां शासन द्वारा क्षेत्र में शांति व्यवस्था कायम रखने के लिए सभी पुलिस अधिकारियों को सख्त आदेश जारी करते हुए लगातार गस्त करने के आदेश दिये गये है। मगर इसके बाद भी देखा जा रहा है कि पुलिस की गस्त व्यवस्था दुरूस्त न होने का परिणाम है कि ग्राम कौड़िया का शमशान घाट क्षेत्र में शाम होते ही आसामजिक तत्वों का अड्डा बन जाता है। जिसके चलते इस क्षेत्र में जहां देर रात तक शराबियों का बोल बाला रहता है..? बताया जाता है कि यहां पर शराब खोरी करने वालों के आलवा मनचलों जमावड़ा होने के चलते मार्ग से निकलने वाले आम लोगों के लिये परेशान करने से नही चूकते है। इस क्षेत्र में शराब बिक्री होने के साथ साथ मांस मछली की दुकानों के चलते यह क्षेत्र आम लोगों के लिये परेशानी का कारण बनने से नही चूक पा रहा है। ज्ञात हो कि कुछ साल पहले यहां के शमशान घाट पर एक अज्ञात युवक का शव पाया गया था जिसकी सच्चाई का पता लगाने में पुलिस आज तक सफल नही हो पाई है..? क्योंकि यहां पर होने वाली संदिग्ध गतिविधियों के चलते यह क्षेत्र चर्चा का विषय बन चुका है। ज्ञात हो कि यह वह स्थान है कि गाडरवारा करेली मार्ग लगा होने के कारण इस मार्ग से देर रात तक लोगों का निकलना लगा रहता है। वही दूसरी ओर महिलाओं का भी आना जाना बना रहने के कारण जब इस प्रकार के कृत्य चलते है तो यहां से निकालने वाले लोगों सहित यहां पर रहने वाले सभ्य परिवार के लोगों को जहां परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है..? वही दूसरी ओर सड़क मार्ग से निकलने वाली महिलाओं के साथ भी यहां पर मौजूद रहने वाले आसामजिक तत्वों द्वारा छीटाकशी करने से नही चूकते है जिसके चलते महिलाओं को इस क्षेत्र से गुजरना दुभर होता जा रहा है। क्षेत्र के लोगो द्वारा पुलिस प्रशासन से गुहार लगाते हुए मांग की गई है कि शाम के समय शमशान घाट क्षेत्र में बिगड़ रही स्थिति को ध्यान में रखते हुए यहां पर अपनी गस्त व्यवस्था चौकस की जावे, जिससे ग्राम व क्षेत्र की शांति व्यवस्था भंग होने से बच सके।

आज भी आदिवासी पुस्तैनी धन्धे से कर रहे है अपना जीवन यापन

हरिभूमि न्यूज/ सिंहपुर छोटा। केन्द्र व प्रदेश की सरकारो द्वारा भले ही आदिवासियों के उत्थान अनेकों जनकल्याणकारी योजनायें चलाकर उनको लाभान्वित करने की बात कही जा रही है, मगर सच्चाई पर गौर किया जावे तो आज भी आदिवासियों को



जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ न मिलने पर वे पूर्वजों के समय से चल आ रहे पुस्तैनी धन्धा करके अपना जीवन यापन करने को मजबूर है,इस बात की सच्चाई इस समय समीपस्थ ग्राम गोटीटोरिया वनांचल क्षेत्र में देखने मिल रही है, जहां पर आज भी आदिवासी प्रति रविवार गाडरवारा आकर बाबेर, लाठी, झाड़ू, माहौल के पत्ता बेच कर रहे है, इन आदिवासियों को कई किलो मीटर वन क्षेत्र से पैदल चलकर ग्राम गोटीटोरिया से बस में भाड़ा देकर गाडरवारा बेचने आना पड़ता है,जो प्रत्येक रविवार को नगर में आने वाले आदिवासी द्वारा माहौल का पत्ता जिससे दोना पत्तल बना करते थें। मगर अब इन पत्तो से निर्मित होने वाले दोना पत्तलों की जगह कागज ने ले ली गई है जिसके चलते अब इन पत्तलों का उपयोग मात्र पान दुकानों पर होते हुए देखा जा रहा है, जिसके चलते इनकी पूछ परख में कमी देखने मिल रही है। मगार इसके बाद भी बाजार में उनको माहौल पत्ता का मरका जिसमें 80 से लेकर 100 जुन्डी पत्ता की रहती है 150 रूपया तथा कावर जिसमें 200 से 250 माहौल पत्ता की जुन्डी रहती है 200 रूपया से लेकर 250 रूपया विका करता है जिसके चलते इतनी मेहनत के बाद चंद रूपया में बिकने वाले इन पत्तों के भरोसे ही यह लोग अपना जीवन काटने के लिए मजबूर देखे जा रहे है, ये आदिवसी ग्राम कौआआम, बरियाढाना, भिलमाढाना, चारगांव एवं छिंदवाड़ा जिले से लगी वार्डर से तक यहां पर पहुंचते है।

सरकारी बैकों में दलालों का राज, ग्रामीणों का नहीं होता बगैर पैसों का काज

हरिभूमि न्यूज/कौड़िया।

प्रदेश व केन्द्र सरकार द्वारा ग्रामीण कस्बे में निवास करने वाले किसानों के लिए अनेक प्रकार की योजनाए चलाई जा रही है, जिसमें प्रमुख रूप से किसान क्रिडिट कार्ड, फसल बीमा योजना आदि शामिल है, किसानों को इन योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए सरकार द्वारा शहरों से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकों की शाखाएं खोली गई है, मगर अक्सर देखा जाता है कि इन बैकों में बैठे अधिकारियों की मनमानी के चलते किसानों को शासन की योजनाओं का सही लाभ नही मिल पा रहा है, इसका उदाहरण इस समय शहरों से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित बैंक में आसानी से देखा जा सकता है, जिसको लेकर क्षेत्र के किसानों द्वारा आरोप लगाते हुए बताया है कि इन बैकों के अंतर्गत आने वाले ग्रामों के किसान बैंक के चक्कर लगाने पर मजबूर हो रहे है? क्षेत्र के कुछ किसानों ने हमारी हरिभूमि टीम से चर्चा करते हुए बताया किइन दिनो क्षेत्र की बैंकों में कुछ दलाल काम कराने की दिशा में सक्रिय है, वही किसान अपना किसान केरडिट कार्ड बनवाने के लिये परेशान होते देखे जा रहे है, जिसमे क्षेत्र के कुछ ग्रामीण किसान जो कि खेती किसानी कर अपनी जीविका चलाते आ रहे है। वही किसान क्रेडिट कार्ड को बनवाने के लिए गांव से चलकर शहर पहुंचता है तो अधिकारियों द्वारा उसे कार्ड बनबाने के लिए सीधे दलालों के पास जाने की सलाह दे देते है? जब वह उनके पास पहुचता है तो सीधे 10 से लेकर 20 प्रतिशत राशि की बात पर ही कार्ड बनाने की बात कही जाती है? इस स्थिति में जब किसान अधिकारियों से चर्चा करते है तो बैकों अधिकारियों द्वारा उस किसान को महिनों तक घुमा घुमाकर परेशान कर दिया जाता है, इस स्थिति में या तो किसान अपना कार्ड बनबात ही नही है या फिर उसे मजबूरी में बैकों द्वारा पाले गये दलालों की शरण में ही जाना पड़ता है? इस प्रकार के दलाल शहरों की बैको से लेकर ग्रामीण बैकों में आसानी से देखने मिल सकते है, जो अधिकारियों के बंगलों से लेकर तहसील कार्यालय में मजबूर किसानों को खोजते फिरते है?

पंचायती राज में अनियमितताएँ, गरीबों की सुनने वाला कोई नहीं

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा। अनियमितता और मनमानी करने वालो को यत्र-तत्र जयकार होती आ रही है..? मगर पंचायती राज में तो भ्रष्टाचार का विकेन्द्रीकरण होते हुए दिखाई दे रहा है, जिसकी अनेको शिकायते हुरइ पर उन पर क्या कार्यवाही होती है किसी को नहीं है पता? इतना ही नहीं शिकायतो को ठंडे बस्ते में डाल देने का क्रम जारी है, यदि ग्रामीण क्षेत्रों में त्रिस्तरीय पंचायती राज में पंचायत प्रतिनिधियों द्वारा जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अपने



सगे संबंधियों व छुटभैया नेताओं को देना, पंचायत की राशि का दुरूपयोग करना, गरीबों के नाम पर आई योजनाओं का बंदर बांट करना आम बात होते हुए दिखाई दे रही है? परिणाम स्वरूप योजनाओं के असली हक दार योजनाओं की जानकारी के अभाव में पंचायतो की ओर ताकते रहते हैं, किंतु उन्हें योजनाओं का लाभ नहीं मिल पाता है? इस बात की शिकायत करने पर शिकायतकर्ता को ठेंगा दिखाने से पंचायत के कर्णधार पेट का खाना तक की योजनाओं में धांधली करने से नहीं चूक रहे हैं? अनुसूचित जाति, जनजाति और गरीब तबका आज अपने परिवार के साथ दयनीय स्थिति में देखे जा रहे है..? शासन चलाई जा रही अनेक योजनाओं के बाद भी वह न उन्हें इलाज मिल पा रहा है और न ही शिक्षा तथा न ही रहने का ठौर ठिकाना अपने लिए बना पा रहा है? अक्सर देखा जाता है कि पंचायत प्रतिनिधि अपनी मनमानी के चलते रूपया कमाना अपनी शान समझते हुये पंचायती राज की धज्जियाँ उड़ते हुए देखे जाते है? जिन पंचायतों का महिलाओं द्वारा नेतृत्व किया जा रहा है उन पंचायतों के कार्यों में सरपंच पतियों का हस्तक्षेप भी बढ़ा हुआ है, जिससे लोगों को पंचायती राज का लाभ नहीं मिल पा रहा है, इस बात की सच्चाई इस समय गाडरवारा तहसील क्षेत्र के सांईखेड़ा जनपद के अंतर्गत आने वाले अनेक ग्राम पंचायतों में आसानी से देखने मिल रही है? जहां पर आज भी अनेक पात्र हितग्राही शासन द्वारा चलाई जा रही अनेक योजनाओं के लाभ से बंचित घूम रहे है, स्थिति तो यहां तक देखी जाती है कि अनेक लोगों को सरकार से उनके मकान बनने की बधाई भेजी जाती है? मगर उन्हें यह तक पता नही रहता है कि उनका कौन से मकान बन गया है जिसकी उन्हें बधाई मिल रही है।

जिला स्तरीय युवा उत्सव में युवाओं ने बिखेरी प्रतिभा की छटा, विजेताओं को किया सम्मानित

डिंडौरी।

जिले के युवाओं की सांस्कृतिक, कलात्मक एवं साहित्यिक प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने के उद्देश्य से शासकीय एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय, डिंडौरी के ऑडिटोरियम में जिला स्तरीय युवा उत्सव का आयोजन किया गया। खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा आयोजित इस उत्सव में जिले के विभिन्न महाविद्यालयों एवं शैक्षणिक संस्थानों के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया।कार्यक्रम में डिंडौरी विधायक ओमकार मरकाम, जिला पंचायत अध्यक्ष रूद्रेश परस्ते, नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती सुनीता सारस, भाजपा मीडिया प्रभारी श्री राज साहू, अजय बर्मन, संगीत महाविद्यालय के डायरेक्टर केहर सिंह वर्मा, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्री राजेंद्र कुमार जाटव, जिला खेल अधिकारी मो. अहमद खान सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।युवा उत्सव के अंतर्गत समूह लोक नृत्य, समूह लोकगीत, नुक्कड़ नाटक, चित्रकला एवं कविता लेखन सहित विभिन्न विधाओं में प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। प्रतियोगिताओं में प्रतिभागियों ने अपनी कला, रचनात्मकता और हुनर का प्रभावशाली प्रदर्शन किया।





विभिन्न विधाओं में विजेताओं ने हासिल किए स्थान

प्रतियोगिताओं के परिणामों के अनुसार समूह लोक नृत्य विधा में शासकीय चंद्रविजय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, डिंडौरी ने प्रथम, एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय, डिंडौरी ने द्वितीय तथा शासकीय महाविद्यालय गाड़ासरई ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।समूह लोकगीत प्रतियोगिता में कन्या शिक्षक परिसर, समनापुर ने प्रथम, एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय, डिंडौरी ने द्वितीय तथा शासकीय चंद्रविजय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, डिंडौरी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता में ज्ञानेश्वरी महाविद्यालय, डिंडौरी प्रथम, एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय, डिंडौरी द्वितीय तथा मॉडल स्कूल करंजिया तृतीय स्थान पर रहा।व्यक्तिगत विधाओं में चित्रकला प्रतियोगिता में दीप ज्योति यादव ने प्रथम, लक्षिता कांसी ने द्वितीय तथा यशी पांडे ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार कविता लेखन प्रतियोगिता में कार्तिक कुमार श्याम ने प्रथम, कुसुम कली मार्को ने द्वितीय तथा केसरी नंदा ने तृतीय स्थान हासिल किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक ओमकार मरकाम ने कहा कि युवा देश और समाज की सबसे बड़ी शक्ति हैं। युवाओं में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, आवश्यकता केवल उन्हें उचित मंच और अवसर उपलब्ध कराने की है। जिला स्तरीय युवा उत्सव युवाओं की कला, संस्कृति और साहित्यिक प्रतिभा को निखारने का महत्वपूर्ण माध्यम है। ऐसे आयोजनों से युवाओं का आत्मविश्वास बढ़ता है और उन्हें अपनी प्रतिभा जिला एवं प्रदेश स्तर पर प्रदर्शित करने का अवसर मिलता है।उन्होंने कहा कि डिंडौरी जिला अपनी समृद्ध लोककला और सांस्कृतिक विरासत के लिए विशेष पहचान रखता है। बैगा लोक नृत्य के क्षेत्र में पद्मश्री से सम्मानित श्री अर्जुन सिंह धुर्वे तथा गोंडी चित्रकला के क्षेत्र में पद्मश्री सम्मान प्राप्त श्री भज्जू सिंह श्याम एवं श्रीमती दुर्गावती श्याम ने जिले का नाम राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे अपनी कला, लोकनृत्य, चित्रकला और सांस्कृतिक परंपराओं के माध्यम से अपनी अलग पहचान बनाएं तथा जिले का नाम रोशन करें।

जिला पंचायत अध्यक्ष रूद्रेश परस्ते ने कहा कि युवा उत्सव युवाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने और कला एवं संस्कृति को आगे बढ़ाने का सशक्त मंच है। डिंडौरी जिला जनजातीय कला, लोक परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत से समृद्ध है। यहां के युवाओं में विभिन्न क्षेत्रों में आगे बढ़ने की अपार संभावनाएं हैं। इस प्रकार के आयोजनों से युवाओं को अपनी प्रतिभा पहचानने, आत्मविश्वास विकसित करने और नई उपलब्धियां हासिल करने की प्रेरणा मिलती है।उन्होंने युवाओं से अपनी लोक संस्कृति एवं परंपराओं को संरक्षित रखने के साथ शिक्षा, कला, साहित्य और सांस्कृतिक गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता करने तथा जिले को नई पहचान दिलाने का आह्वान किया।जिला स्तरीय युवा उत्सव ने जिले के युवाओं को अपनी सांस्कृतिक, कलात्मक एवं साहित्यिक प्रतिभा प्रदर्शित करने का सुनहरा अवसर प्रदान किया। आयोजन के माध्यम से न केवल युवाओं की रचनात्मकता को प्रोत्साहन मिला, बल्कि जिले की समृद्ध लोककला, जनजातीय संस्कृति एवं परंपराओं के संरक्षण और संवर्धन का संदेश भी प्रसारित हुआ। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

बलराम कृषि महोत्सव में वर्चुअली जुड़े मुख्यमंत्री, डिंडौरी को दी विकास कार्यों की सौगात





डिंडौरी।

किसान कल्याण वर्ष के तहत शुक्रवार को डिंडौरी जिले में आयोजित बलराम कृषि महोत्सव-2026 में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव वर्चुअल माध्यम से शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने जिले के किसानों, जनप्रतिनिधियों एवं उपस्थित जनसमुदाय से संवाद किया तथा कृषि, पशुपालन, दुग्ध उत्पादन और विकास योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने डिंडौरी को अपना प्रिय जिला बताते हुए कहा कि जनजातीय बहुल इस जिले ने अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। यहां कृषि एवं पशुपालन गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के साथ विकास के नए अवसर सृजित किए जा रहे हैं। जिले को आयुर्वेदिक कॉलेज सहित विभिन्न विकास परियोजनाओं की सौगात दी गई है, जिससे क्षेत्र के विकास को नई दिशा और गति मिलेगी।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार किसान कल्याण वर्ष के माध्यम से किसानों की समृद्धि और कृषि क्षेत्र के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है। कोदो-कुटकी जैसी पारंपरिक फसलों के साथ धान उपार्जन का निर्णय विशेष रूप से जनजातीय एवं स्थानीय किसानों के हित में महत्वपूर्ण है। भावांतर योजना और विभिन्न प्रोत्साहन योजनाओं के माध्यम से किसानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य दिलाने तथा उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

गौपालन और दुग्ध उत्पादन को आजीविका से जोड़ने की पहल

मुख्यमंत्री ने कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया से जिले में विकासखंडों की संख्या तथा गौपालन को बढ़ावा देने के लिए संचालित गतिविधियों की जानकारी ली। कलेक्टर ने बताया कि डिंडौरी जिले में कुल सात विकासखंड हैं और सभी क्षेत्रों में गौपालन को प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसके लिए दो वृंदावन ग्रामों का चयन किया गया है। ग्राम घुसिया में 29 अक्टूबर को गौपालक प्रोत्साहन कार्यक्रम आयोजित किया गया था, जिसमें विधायक द्वारा गौपालकों को प्रोत्साहित किया गया। इन गांवों को विभिन्न विभागीय योजनाओं के समन्वय से आदर्श ग्राम के रूप में विकसित करने की कार्ययोजना पर काम किया जा रहा है।कलेक्टर ने बताया कि दुग्ध उत्पादन को आजीविका का बेहतर माध्यम बनाने के लिए शहपुरा विकासखंड में 30 गौपालकों की पंजीकृत समिति गठित की गई है। इस समिति के माध्यम से प्रतिदिन लगभग 810 लीटर दूध का संग्रहण किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त डिंडौरी में भी एक दुग्ध उत्पादक समिति पंजीकृत की गई है। दोनों समितियों के माध्यम से दुग्ध संग्रहण व्यवस्था को मजबूत करने और मिल्क रूट विकसित करने की पहल की जा रही है। गौपालकों का उत्साह बढ़ाने के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जा रही हैं, ताकि पशुपालन एवं दुग्ध उत्पादन को ग्रामीण अर्थव्यवस्था का मजबूत आधार बनाया जा सके।

कोदो-कुटकी पंजीयन में डिंडौरी प्रदेश में अग्रणी

कलेक्टर ने मुख्यमंत्री को बताया कि कोदो-कुटकी उत्पादक किसानों के पंजीयन में डिंडौरी जिले ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। प्रदेश के नौ चिन्हित जिलों में शामिल डिंडौरी में कोदो-कुटकी उत्पादक किसानों का सर्वाधिक पंजीयन दर्ज किया गया है। इससे जिले के जनजातीय एवं पारंपरिक खेती करने वाले किसानों को अपनी उपज के विपणन और उचित मूल्य प्राप्त करने के बेहतर अवसर मिलेंगे। कृषि विविधीकरण, दुग्ध उत्पादन और शासकीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के जरिए ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने के प्रयास किए जा रहे हैं।कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल भी शामिल हुए। उन्होंने उपस्थित जनसमुदाय के साथ मुख्यमंत्री के वर्चुअल संवाद में सहभागिता की। इस दौरान मध्यप्रदेश राज्य सहकारी बैंक के प्रशासक श्री महेन्द्र सिंह यादव भी अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।श्री यादव ने कहा कि किसान कल्याण वर्ष के अंतर्गत भगवान बलराम के नाम पर बलराम कृषि महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। यह इस श्रृंखला का 49वां कार्यक्रम है। प्रदेश के प्रत्येक जिले में इस तरह के आयोजन किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री स्वयं विभिन्न जिलों में पहुंचकर किसानों से सीधा संवाद कर रहे हैं और अब तक लगभग ढाई लाख किसानों से संवाद किया जा चुका है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री वर्चुअल माध्यम से भी किसानों से जुड़कर उनकी समस्याओं, सुझावों एवं कृषि संबंधी आवश्यकताओं को समझ रहे हैं। इन आयोजनों का उद्देश्य शासन की योजनाओं को किसानों तक पहुंचाने के साथ कृषि और किसान कल्याण से जुड़े विषयों पर सीधा संवाद स्थापित करना है। सहकारिता के माध्यम से किसानों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं और योजनाओं पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है।उन्होंने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की किस्त किसानों के खातों में अंतरित किए जाने का उल्लेख करते हुए कहा कि किसानों के योगदान को सम्मान देने के उद्देश्य से भगवान बलराम की जयंती के अवसर पर बलराम कृषि महोत्सव के माध्यम से किसान कल्याण वर्ष मनाने की पहल की गई है। भगवान बलराम के हाथों में हल और मूसल कृषि एवं श्रम की महत्ता के प्रतीक हैं। सरकार इस पहल के माध्यम से कृषि क्षेत्र में नए नवाचारों और किसान हितैषी गतिविधियों को प्रोत्साहित कर रही है।

स्वामित्व योजना से ग्रामीणों को मिल रहा संपत्ति का कानूनी अधिकार

महेन्द्र सिंह यादव ने ग्रामीण क्षेत्रों में शासन की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन का उल्लेख करते हुए कहा कि गांवों में बस सेवा प्रारंभ करने जैसी पहल से ग्रामीणों को आवागमन की सुविधा मिली है। वहीं स्वामित्व योजना के माध्यम से ग्रामीण आबादी क्षेत्रों में रहने वाले परिवारों को उनके मकानों के स्वामित्व संबंधी दस्तावेज एवं रजिस्ट्री उपलब्ध कराई जा रही है।उन्होंने कहा कि पहले ग्रामीण क्षेत्रों में अनेक परिवारों के पास आबादी भूमि पर बने मकानों का कानूनी स्वामित्व प्रमाणित करने वाले दस्तावेज नहीं होते थे। इसके कारण उन्हें अपनी संपत्ति का पूरा आर्थिक लाभ नहीं मिल पाता था। स्वामित्व योजना के माध्यम से ऐसे परिवारों को अधिकार संबंधी दस्तावेज उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इससे ग्रामीणों को संपत्ति पर कानूनी अधिकार मिलने के साथ भविष्य में बैंक ऋण एवं अन्य वित्तीय सुविधाओं का लाभ लेने में भी मदद मिलेगी।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक श्री ओमप्रकाश धुर्वे ने कहा कि धन-धान्य योजना के तहत डिंडौरी जिले ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है। जिले में कोदो-कुटकी की खेती को प्रोत्साहित किया जा रहा है। किसानों को बेहतर सिंचाई सुविधाएं, गुणवत्तापूर्ण बीज एवं पर्याप्त खाद उपलब्ध कराने के साथ सड़क और बिजली जैसी बुनियादी सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है, जिससे कृषि गतिविधियों को बढ़ावा मिल रहा है।उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों को सम्मान निधि, लाड़ली बहनों को आर्थिक सहायता और पात्र हितग्राहियों को प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ उपलब्ध करा रही है। सरकार द्वारा जन्म से लेकर जीवन के प्रत्येक पड़ाव तक आमजन के कल्याण के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इन योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता है।बलराम कृषि महोत्सव के दौरान विभिन्न शासकीय योजनाओं के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को हितलाभ का वितरण भी किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से किसानों एवं ग्रामीण हितग्राहियों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। साथ ही कृषि, पशुपालन और ग्रामीण आजीविका को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए संचालित गतिविधियों पर प्रकाश डाला गया।बलराम कृषि महोत्सव के माध्यम से जिले में पारंपरिक फसलों के संरक्षण, दुग्ध उत्पादन के विस्तार, गौपालन को प्रोत्साहन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने की दिशा में चल रहे प्रयासों को नई ऊर्जा देने का संदेश दिया गया।

मसूर की उन्नत खेती को मिलेगा बढ़ावा, 50 किसानों को वितरित किया एल-4727 किस्म का बीज



डिंडौरी। जिले में दलहनी फसलों के उत्पादन को बढ़ावा देने तथा किसानों को आधुनिक एवं वैज्ञानिक कृषि तकनीकों से जोड़ने के उद्देश्य से राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन 2026-27 के अंतर्गत कृषि विज्ञान केंद्र, डिंडौरी द्वारा मसूर फसल के प्रदर्शन आयोजित किए जा रहे हैं। इस अभियान के तहत जिले के दो विकासखंडों के 50 किसानों को मसूर की उन्नत किस्म एल-4727 का बीज उपलब्ध कराया गया है। इसके माध्यम से कुल 20 हेक्टेयर क्षेत्र में मसूर की खेती के प्रदर्शन किए जाएंगे।जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. के.के. देशमुख के मार्गदर्शन में ग्राम रजाई टोला, विकासखंड समनापुर में 10 हेक्टेयर क्षेत्र में 25 तथा ग्राम अलौनी, विकासखंड अमरपुर में 10 हेक्टेयर क्षेत्र में 25 प्रदर्शन निर्धारित किए गए हैं। प्रत्येक चयनित किसान को एक एकड़ क्षेत्र में मसूर की उन्नत खेती के प्रदर्शन के लिए बीज प्रदान किया गया है।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में दलहन विकास प्रदर्शन निदेशालय के संयुक्त निदेशक कृषि अर्जुन शिवहरे उपस्थित रहे। उन्होंने किसानों को खेत बचाओ अभियान के तहत पराली प्रबंधन, मृदा संरक्षण, जल संरक्षण एवं मृदा स्वास्थ्य के महत्व की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि खेती की मिट्टी, जल और प्राकृतिक उर्वरता को सुरक्षित रखना टिकाऊ कृषि के लिए आवश्यक है। किसानों को कृषि उत्पादन बढ़ाने के साथ खेती की लागत कम करने के लिए वैज्ञानिक पद्धतियों को अपनाना चाहिए। पराली जलाने के बजाय उसका उचित प्रबंधन कर मिट्टी की गुणवत्ता बनाए रखने पर भी उन्होंने जोर दिया।कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. के.के. देशमुख ने किसानों को संतुलित उर्वरक प्रबंधन के संबंध में जानकारी देते हुए मृदा स्वास्थ्य कार्ड के आधार पर उर्वरकों का उपयोग करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने के लिए रासायनिक उर्वरकों के साथ गोबर खाद, कम्पोस्ट एवं हरी खाद जैसे जैविक पदार्थों का भी उपयोग करना चाहिए। इससे मृदा स्वास्थ्य में सुधार के साथ कृषि उत्पादन को टिकाऊ बनाया जा सकता है।

इस अवसर पर कृषि विज्ञान केंद्र की सस्य विशेषज्ञ कुमारी श्वेता मसराम ने मसूर की उन्नत किस्म एल-4727 की विशेषताओं से किसानों को अवगत कराया। उन्होंने बताया कि वर्ष 2018 में अनुशंसित यह किस्म लगभग 100 से 103 दिनों में पककर तैयार हो जाती है। इसकी औसत उत्पादन क्षमता 11 से 15 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है। यह किस्म उकठा रोग के प्रति प्रतिरोधी होने के साथ कीटों, सूखे एवं विभिन्न जैविक तनावों को सहन करने की क्षमता भी रखती है।उन्होंने किसानों को उन्नत बीज के चयन, समय पर बुवाई एवं वैज्ञानिक फसल प्रबंधन तकनीकों को अपनाने की सलाह दी, ताकि बेहतर उत्पादन प्राप्त किया जा सके।कार्यक्रम में वरिष्ठ अनुसंधान सहयोगी श्री विशाल वर्मा, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी समनापुर श्रीमती सकुन धुर्वे, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी अमरपुर श्री मूलचंद बछेल, कृषि विस्तार अधिकारी सुहानी घाटे एवं बीटीएम श्री संतोष कुमार उइके सहित बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।कृषि विज्ञान केंद्र की इस पहल से जिले में दलहनी फसलों के क्षेत्र एवं उत्पादन में वृद्धि की संभावनाएं बढ़ेंगी। साथ ही किसानों को उन्नत बीज, वैज्ञानिक कृषि पद्धतियों और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के प्रति जागरूक कर खेती को अधिक लाभकारी एवं टिकाऊ बनाने में मदद मिलेगी।

मध्यप्रदेश स्थापना दिवस की तैयारियों की कलेक्टर ने की समीक्षा, अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

डिंडौरी।

मध्यप्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर 1 नवंबर 2026 को आयोजित होने वाले जिला स्तरीय समारोह की तैयारियों को लेकर कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में स्थापना दिवस समारोह की तैयारियों के साथ राष्ट्रीय एकता दिवस के आयोजन, विभिन्न शासकीय योजनाओं तथा विभागीय कार्यों की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने और सौंपे गए दायित्वों का जिम्मेदारीपूर्वक निर्वहन करने के निर्देश दिए।बैठक में कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन एवं एसएसजी से संबंधित शिकायतों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को लंबित शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिकायतों का निराकरण केवल औपचारिकता न होकर संतुष्टिपूर्ण होना चाहिए, ताकि आवेदकों को वास्तविक राहत मिल सके।कलेक्टर ने टंट्या मामा योजना, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम), मत्स्य विभाग, कृषि विभाग एवं खाद्य विभाग के अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं के सत्यापन कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सत्यापन कार्यों में तेजी लाने तथा प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।



स्वामित्व योजना के तहत रजिस्ट्री कार्य में तेजी लाने के निर्देश

स्वामित्व योजना की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने सभी एसडीएम एवं तहसीलदारों को रजिस्ट्री संबंधी कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप 30 से कम रजिस्ट्रियां पूर्ण करने वाले तहसीलदारों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश भी दिए। बैठक में राजस्व प्रकरणों के अंतर्गत नामांतरण एवं बंटवारा संबंधी मामलों की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने इन प्रकरणों का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने पर जोर दिया।जिले में निर्माणाधीन एवं पूर्ण हो चुके शासकीय भवनों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी दिव्यांशु चौधरी को निर्देशित किया कि एक सप्ताह के भीतर जिले की सभी ग्राम पंचायतों में आंगनवाड़ी भवन, पंचायत भवन तथा अन्य निर्माण कार्यों की विकासखंडवार जानकारी संकलित कर प्रस्तुत करें।उन्होंने निर्माण कार्यों की वास्तविक स्थिति, प्रगति एवं गुणवत्ता पर नियमित निगरानी रखने के निर्देश दिए, ताकि शासकीय निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण हो सकें और उनका लाभ आमजन को मिल सके।बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी दिव्यांशु चौधरी, अपर कलेक्टर जे.पी. यादव, एसडीएम डिंडौरी रामबाबू देवांगन, डिप्टी कलेक्टर अक्षय डिगरसे, डिप्टी कलेक्टर प्रियांशी जैन सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

वन स्टॉप सेंटर का निरीक्षण कर महिला सुरक्षा एवं सहायता व्यवस्थाओं का लिया जायजा

डिंडौरी। महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा तथा उन्हें आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव श्री पवन पटेल एवं जिला विधिक सहायता अधिकारी श्रीमती दीपिका तरण ने शुक्रवार को वन स्टॉप सेंटर, डिंडौरी का निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने केंद्र में महिला हिंसा से प्रभावित महिलाओं एवं बालिकाओं को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं और सहायता सेवाओं की जानकारी लेकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने केंद्र में संचालित विधिक सहायता, पुलिस सहायता, चिकित्सा सुविधा, परामर्श सेवा एवं अस्थायी आश्रय व्यवस्था का अवलोकन किया। साथ ही केंद्र में दर्ज प्रकरणों, पीड़ित महिलाओं को प्रदान की जा रही सहायता तथा लंबित एवं निराकृत प्रकरणों की वर्तमान स्थिति की समीक्षा की।



इस अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव श्री पवन पटेल ने निर्देश दिए कि वन स्टॉप सेंटर में सहायता के लिए पहुंचने वाली प्रत्येक पीड़ित महिला एवं बालिका को प्राथमिकता के आधार पर त्वरित और प्रभावी विधिक सहायता उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने कहा कि पीड़ितों को उनके कानूनी अधिकारों की जानकारी देने के साथ ही शासन द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से भी अवगत कराया जाए, ताकि वे अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होकर योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकें।उन्होंने केंद्र के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया कि पीड़ित महिलाओं के साथ संवेदनशीलता एवं सम्मानपूर्ण व्यवहार सुनिश्चित किया जाए तथा उन्हें आवश्यकतानुसार सभी संबंधित सेवाएं समय पर उपलब्ध कराई जाएं।निरीक्षण के दौरान वन स्टॉप सेंटर की टीम द्वारा केंद्र की कार्यप्रणाली एवं महिलाओं को उपलब्ध कराई जा रही विभिन्न सेवाओं के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। इस अवसर पर केंद्र के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।उल्लेखनीय है कि वन स्टॉप सेंटर का मुख्य उद्देश्य हिंसा से प्रभावित महिलाओं एवं बालिकाओं को एक ही स्थान पर चिकित्सा, पुलिस, विधिक सहायता, परामर्श एवं अस्थायी आश्रय जैसी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराना है। इसके माध्यम से पीड़ित महिलाओं को सुरक्षित वातावरण प्रदान करते हुए उन्हें सहायता, संरक्षण एवं न्याय तक पहुंच सुनिश्चित करने का प्रयास किया जाता है।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

[करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल]

जबलपुर, शनिवार 31 अक्टूबर 2026

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

महिला ने लगाई फांसी हुई मौत

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। विगत दिवस अज्ञात कारणों से महिला द्वारा फांसी लगाई ली गई जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि बबीता धानक पति जीवन धानक निवासी गोरखपुर थाना देवरी द्वारा अपने ही घर पर फांसी लगा ली गई जिसे उपचार हेतु परिजनों द्वारा जिला चिकित्सालय लाया गया जहां पर डॉक्टरों द्वारा मृत घोषित कर दिया पुलिस ने मर्ग पंचनामा तैयार कर शव का परीक्षण कराकर परिजनों को सौंप दिया।

फांसी लगाने से महिला की मौत

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस थाना स्टेशनगंत के सिंहपुर चैकी क्षेत्र निवासी महिला दुर्गा बाई पति पप्पू मेहरा उम्र 26 वर्ष निवासी सिंहपुर बड़ा द्वारा अपने ही घर पर अज्ञात कारणों से अपने ही घर पर फांसी लगा ली गई। जिसे परिजनों द्वारा उपचार हेतु जिला चिकित्सालय लाया गया जहां पर डॉक्टरों द्वारा मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मर्ग पंचनामा तैयार कर शव का परीक्षण कराकर परिजनों को सौंप दिया।

सर्प के काटने से मौत

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस थाना क्षेत्र ठेमी निवासी बालिका की सर्प के काटने से मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि रिद्धि कोल पिता अजय कोल उम्र 6 वर्ष निवासी करकबेल बस्ती थाना ठेमी को घर पर सर्प ने काट लिया जिसे उपचार हेतु जिला चिकित्सालय लाया गया जहां पर डॉक्टरों द्वारा मृत घोषित कर दिया पुलिस ने मर्ग पंचनामा तैयार कर शव का परीक्षण कराकर परिजनों को सौंप दिया।

संदिग्ध परिस्थितियों में मिला युवक का शव

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस थाना क्षेत्र स्टेशनगंज के खुरपा गांव रोड पर खुरपा रोड निवासी युवराज कुशवाहा उर्फ चीकू उम्र 26 वर्ष का शव संदिग्ध अवस्था में पड़ा मिला जिसकी सूचना पुलिस को दी गई। सूचना मिलने के बाद थाना स्टेशनगंज पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है।

युवती ने किया जहरीली वस्तु का सेवन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस थाना क्षेत्र कोतवाली के हाउसिंग बोर्ड क्षेत्र निवासी युवती द्वारा अज्ञात कारणों से जहरीली वस्तु का सेवन कर लिया जिसे परिजनों द्वारा उपचार हेतु जिला चिकित्सालय लाया गया जहां पर उपचार जारी है।

हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं के नियमित फॉलोअप के दिए निर्देश

मुख्य सचिव ने सामुदायिक स्वास्थ्य व स्कूल का किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। मुख्य सचिव अशोक वर्णवाल एवं प्रमुख सचिव सामान्य प्रशासन विभाग एम. सेलवेन्द्रन ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र राजमार्ग एवं शासकीय माध्यमिक विद्यालय देवरी का निरीक्षण किया। उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति, स्वामित्व योजना के तहत किए जा रहे कार्यों, राशन वितरण व्यवस्था तथा शासकीय विद्यालय में शैक्षणिक गतिविधियों का जायजा लिया।

मुख्य सचिव श्री वर्णवाल ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण कर स्वास्थ्य व्यवस्थाओं की समीक्षा की। उन्होंने सीएमएचओ डॉ मनीष मिश्रा से जिले में स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता, चिकित्सकों की पदस्थापना एवं स्वास्थ्य योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी ली।



गर्भवती महिलाओं की हो नियमित जांच

उन्होंने चिकित्सकों की कमी वाले प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों की स्थिति की जानकारी ली। अनमोल एप पर गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों के स्वास्थ्य संबंधी जानकारी की ऑनलाइन एंट्री की समीक्षा करते हुए सभी जानकारियां समय पर दर्ज करने के निर्देश दिए। विशेष रूप से हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं के नियमित फॉलोअप पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि गर्भावस्था के दौरान स्वास्थ्य संबंधी जोखिमों की समय पर पहचान और उपचार से जच्चा-बच्चा दोनों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकती है। उन्होंने निर्देश दिए कि निर्धारित समय पर जांच के लिए स्वास्थ्य केंद्र नहीं पहुंचने वाली गर्भवती महिलाओं से बीएमओ स्वयं संपर्क कर आवश्यक परामर्श दें। साथ ही फॉलोअप में लापरवाही अथवा देरी होने पर संबंधित एएनएम की जवाबदेही तय की जाए।

स्वामित्व योजना के कार्यों का अवलोकन

मुख्य सचिव श्री वर्णवाल ने ग्राम पंचायत देवरी में स्वामित्व योजना के तहत किए जा रहे रजिस्ट्री संबंधी कार्यों का अवलोकन कर अधिकारियों से आज की गई रजिस्ट्रियों की संख्या एवं योजना की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने ग्रामीणों से संवाद कर बताया कि योजना के माध्यम से उन्हें अपनी संपत्ति का वैधानिक मालिकाना हक प्राप्त होता है। उन्होंने रजिस्ट्री के दस्तावेज को सुरक्षित रखने की समझाइश भी दी। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों से राशन वितरण व्यवस्था के संबंध में जानकारी लेते हुए पूछा कि राशन दुकान नियमित खुलती है या नहीं तथा पात्र हितग्राहियों को निर्धारित मात्रा में समय पर राशन मिल रहा है या नहीं।



पाठ पढ़वाकर जाना शैक्षणिक स्तर

मुख्य सचिव श्री बर्णवाल ने शासकीय माध्यमिक शाला देवरी का निरीक्षण कर कक्षा चैथी के विद्यार्थियों से संवाद किया। उन्होंने विद्यार्थियों से पाठ्यपुस्तक का अध्याय पढ़वाया और उसका अर्थ पूछकर उनके अध्ययन एवं विषयवस्तु की समझ का स्तर जाना। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने शासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों को जेईई एवं नीट जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए जिला प्रशासन द्वारा उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विद्यार्थियों को हॉस्टल में आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराकर शासकीय शिक्षकों के मार्गदर्शन में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराई गई। इसके सकारात्मक परिणाम स्वरूप दो विद्यार्थियों का जबलपुर इंजीनियरिंग कॉलेज में चयन हुआ है। इसके अलावा 12 विद्यार्थियों ने जेईई तथा 14 विद्यार्थियों ने नीट परीक्षा क्वालीफाई की है। निरीक्षण के दौरान संभागायुक्त जबलपुर धनंजय सिंह, कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह, पुलिस अधीक्षक डॉ. ऋषिकेश मीणा, सीईओ जिला पंचायत गजेन्द्र सिंह नागेश, अपर कलेक्टर अरविंद कुमार सिंह सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

किसान संघ ने मंडी सचिव को सौंपा ज्ञापन



हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। कृषि उपज मण्डी में आने वाली समस्याओं के निराकरण के लिए भारतीय किसान संघ ने मंडी सचिव को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में उल्लेख किया है कि कृषि उपजमण्डी का स्वीकृत विस्तार कार्य शीघ्र करवाया जावे, बर्तमान में मक्का फसल की आवक देखते हुये किसानों को अपनी उपज विक्रय के लिये दो से तीन रुकना पड़ रहा है इस गम्भीर समस्या को देखते हुए किसानों की ट्रालियों में ही बोली लगाई जावे तथा धरमकांटे पर तौल की जावे, सभी लाइट एवं सी. सी. टीवी कैमरों की संख्या बढ़ाई जावे एवं चालू रखे जावे, मूल्य सूचकांक डिस्प्ले बोर्ड चालू किया जावे, वर्तमान में मण्डी नरसिंहपुर में उपज लाने के लिए एक ही रास्ता है जिससे मार्ग हमेशा बंद हो जाता है इसलिए खमतरा से होते हुए सूरज गांव से मण्डी तक शासकीय पहुँच मार्ग है जिसे चालू किया जावे।

सफाई कर्मियों द्वारा रुके हुए वेतन की मांग, हड़ताल की चेतावनी

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। विगत दिवस नगरपालिका परिषद के सफाईकर्मियों ने रुके हुए वेतन, एरियर और अन्य लंबित भुगतान को लेकर एक बार फिर हड़ताल पर जाने का अल्टीमेटम दिया है। कर्मचारियों ने मुख्य नगरपालिका अधिकारी के नाम आवेदन सौंपकर अपनी मांगों का शीघ्र निराकरण करने की मांग की है। कर्मचारियों द्वारा दिए गए आवेदन में उल्लेख किया गया है कि हड़ताल के दौरान काटे गए वेतन का भुगतान अब तक नहीं हुआ है। इसके अलावा दो माह का बकाया वेतन, दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों की एरियर राशि और जीपीएफ भुगतान सहित अन्य मांगें भी उठाई गई हैं। कर्मचारियों का कहना है कि समय पर वेतन और लंबित राशि का भुगतान नहीं होने से उन्हें आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने मांगों का जल्द निराकरण नहीं होने पर हड़ताल पर जाने की चेतावनी दी है।



नगरपालिका कर्मचारियों और मुख्य नगरपालिका अधिकारी गजेन्द्र सिंह के बीच बातचीत भी हुई। बातचीत के दौरान कर्मचारियों ने अपनी समस्याएं रखीं। अब देखना होगा कि कर्मचारियों की मांगों पर नगर पालिका प्रशासन की ओर से क्या कदम उठाए जाते हैं।

गोटेगांव नगरपालिका में आखिर क्या चल रहा है?

कहीं सड़कें जर्जर, कहीं वर्षों से निर्माण का इंतजार... कर्मचारियों के वेतन और मीडिया के भुगतान भी लंबित होने के सवाल

गोटेगांव। गोटेगांव नगरपालिका की कार्यप्रणाली इन दिनों कई सवालों के घेरे में है। नगर में कहीं सड़कें जर्जर हालत में हैं तो कहीं निर्माण कार्य वर्षों से अधूरे पड़े हैं। दूसरी ओर नगरपालिका कर्मचारियों को दो-दो, तीन-तीन माह तक वेतन नहीं मिलने और मीडिया के भुगतान लंबित होने की चर्चाओं ने नगरपालिका की आर्थिक व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। ऐसे में नगरवासियों के बीच सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर नगर विकास के लिए आने वाली सरकारी राशि कहां और किस तरह खर्च हो रही है?

नगरपालिका क्षेत्र में विकास कार्यों की वास्तविक स्थिति और सरकारी धन के उपयोग को लेकर अब पारदर्शिता की मांग उठने लगी है। सवाल यह भी है कि यदि नगरपालिका के पास विकास कार्यों के लिए राशि उपलब्ध है, तो नगर की सड़कों की यह बदहाल तस्वीर क्यों दिखाई दे रही है? वहीं यदि आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है, तो इसके पीछे क्या कारण हैं और नगरपालिका की आय-व्यय व्यवस्था किस स्थिति में है?

कहीं सड़कें बनीं, कहीं आज भी निर्माण का इंतजार

नगर के विभिन्न वार्डों में सड़कों की स्थिति पर नजर डालें तो विकास कार्यों की तस्वीर एक जैसी दिखाई नहीं देती। कई स्थानों पर सड़कें जर्जर हो चुकी हैं, जबकि कुछ मार्गों पर निर्माण कार्य अब तक शुरू नहीं हो पाया है। इसका प्रत्यक्ष उदाहरण राजपथ मार्ग पर हनुमान मढ़िया से पथरहा कुआं तक जाने वाली सड़क है, जिसका निर्माण आज भी प्रतीक्षारत है। विशेष बात यह है कि इस मार्ग से जनप्रतिनिधियों का लगातार आना-जाना भी बना रहता है, इसके बावजूद सड़क निर्माण की दिशा में अब तक ठोस पहल दिखाई नहीं दे रही।ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि आखिर इस मार्ग के निर्माण में देरी का कारण क्या है? क्या इसके लिए बजट स्वीकृत नहीं हुआ या फिर किसी अन्य प्रशासनिक कारण से कार्य अटका हुआ है? नगरवासियों को इसका स्पष्ट जवाब मिलना चाहिए। नगरपालिका की आर्थिक एवं भुगतान व्यवस्था को लेकर कर्मचारियों के वेतन और मीडिया के लंबित भुगतान का मुद्दा भी चर्चा में है। यदि कर्मचारियों को दो-दो, तीन-तीन माह तक वेतन नहीं मिल रहा है, तो यह गंभीर विषय है। इसी तरह मीडिया संस्थानों के भुगतान लंबित रहने की स्थिति में भी नगरपालिका प्रशासन को स्पष्ट करना चाहिए कि आखिर भुगतान में देरी क्यों हो रही है? नगरपालिका की वास्तविक वित्तीय स्थिति क्या है? उसकी नियमित आय कितनी है, विभिन्न मदों में कितना बजट प्राप्त हुआ और अब तक कितना व्यय किया गया? इन सभी बिंदुओं की समीक्षा आवश्यक हो गई है।

निर्माण कार्यों के बिलों और भुगतान की हो जांच

नगरहित में यह आवश्यक है कि नगरपालिका में बीते वर्षों में कराए गए निर्माण एवं विकास कार्यों की विस्तृत जांच कराई जाए। जांच में स्वीकृत बजट, प्राप्त राशि, कार्यों की लागत, निर्माण एजेंसी, भुगतान किए गए बिलों और वास्तविक निर्माण की स्थिति का मिलान किया जाए। यह भी देखा जाना चाहिए कि जिन निर्माण कार्यों के नाम पर भुगतान किया गया है, वे धरातल पर वास्तव में पूरे हुए हैं या नहीं। निर्माण की गुणवत्ता निर्धारित मापदंडों के अनुरूप है अथवा नहीं तथा भुगतान प्रक्रिया में शासन के नियमों का पालन किया गया है या नहीं।



यदि जांच के दौरान किसी प्रकार की वित्तीय अनियमितता या लापरवाही सामने आती है तो संबंधित जिम्मेदारों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जानी चाहिए। नगरपालिका की कार्यप्रणाली और नगर विकास से जुड़े मुद्दे समय-समय पर समाचार पत्रों की सुर्खियां बनते रहे हैं। इसके बावजूद यदि मूलभूत समस्याएं जस की तस बनी हुई हैं, तो यह निश्चित रूप से विचारणीय विषय है। केवल समस्याओं पर चर्चा या आश्वासन देने से नगर का विकास संभव नहीं है। इसके लिए योजनाओं का समय पर क्रियान्वयन, वित्तीय पारदर्शिता और जिम्मेदारी तय करना भी जरूरी है।

जनता जानना चाहती है, आखिर माजरा क्या है?

गोटेगांव की जनता के सामने आज कई सवाल हैं। नगर विकास के लिए आवंटित राशि का कितना उपयोग हुआ? सड़क निर्माण के कार्य अधूरे क्यों हैं? कर्मचारियों को समय पर वेतन क्यों नहीं मिल पा रहा? मीडिया के भुगतान लंबित होने की वजह क्या है? नगरपालिका की कुल देनदारियां कितनी हैं और वर्तमान आर्थिक स्थिति के लिए जिम्मेदार कौन है?

इन सवालों का जवाब केवल कागजी आंकड़ों से नहीं, बल्कि दस्तावेजों की जांच और मौके पर जाकर निर्माण कार्यों के सत्यापन से ही मिल सकता है।

जनहित में मांग है कि शासन स्तर से गोटेगांव नगरपालिका की उच्चस्तरीय एवं निष्पक्ष जांच कराई जाए। इसमें विकास कार्यों, आय-व्यय के विवरण, निर्माण संबंधी स्वीकृतियों, भुगतान बिलों, कर्मचारियों के लंबित वेतन और अन्य देनदारियों की विस्तृत समीक्षा हो। ताकि सरकारी धन के उपयोग की वास्तविक स्थिति सामने आ सके और यदि कहीं अनियमितता हुई है तो उसकी जवाबदेही तय हो।

अब नगरवासियों की निगाहें शासन और प्रशासन पर टिकी हैं। जरूरत इस बात की है कि नगरपालिका की कार्यप्रणाली की निष्पक्ष जांच हो और दूध का दूध, पानी का पानी सामने आए।

चांद का दीदार कर किया व्रत परायण



तेंदूखेड़ा। पति की लंबी आयु सुख समृद्धि और आरोग्यता की कामना के लिए किये जाने वाला करवा चौथ पर सुहागिन महिलाओं के द्वारा निर्जला व्रत रखकर चंद्र दर्शन अर्घ्य देकर व्रत का परायण किया।इस मौके पर महिलाओं ने सोलह श्रृंगार नये परिधान में पूजन अर्चन करते हुए चंद्र दर्शन कर अर्घ्य देकर अपने पति के हाथों से पानी ग्रहण कर व्रत का परायण किया। चूंकि बादल छाए रहने और लुका छिपी के कारण चंद्र दर्शन में समय लगा फिर भी महिलाओं द्वारा दर्शन के उपरांत ही व्रत परायण किया। पतियों ने भी महिलाओं को यथा संभव सौगातें भेंट की।



आंगनबाड़ी केंद्र में शिक्षा के अधिकार को लेकर संगोष्ठी

तेंदूखेड़ा। विगत दिवस विधिक सेवा समिति तेंदूखेड़ा के द्वारा वार्ड क्रमांक 8 में संचालित आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चों की शिक्षा के अधिकार के तहत संगोष्ठी आयोजित की गई। जिसमें विधिक सेवा समिति तेंदूखेड़ा के अध्यक्ष एवं सिविल न्यायालय के न्यायायिक मजिस्ट्रेट श्री शिव कांत कुशवाहा द्वारा विस्तृत रूप से बच्चों की शिक्षा के अधिकार पर विस्तार से प्रकाश डाला ।इस मौके पर अधिवक्ता गगन अग्रवाल ठा. दिनेश सिंह आशीष सिंह आंगनवाड़ी कार्यकर्ता अर्चना जैन वार्ड क्रमांक 8 के पार्षद प्रतिनिधि गोविंद पाली एवं बच्चों सहित बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं।

कबड्डी प्रतियोगिता में तेंदूखेड़ा महाविद्यालय विजेता रहा

तेंदूखेड़ा। उच्च शिक्षा विभाग के खेलकूंद कैलेंडर के अंतर्गत महाराणा प्रताप शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय गाडरवारा में जिला स्तरीय कबड्डी पुरुष एवं महिला प्रतियोगिता का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. जवाहरलाल शुक्ला के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। उक्त प्रतियोगिता की महिला कबड्डी स्पर्धा में महाराणा प्रताप शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय गाडरवारा एवं शासकीय महाविद्यालय तेंदूखेड़ा की टीमों के बीच प्रतियोगिता हुई।



इस प्रतियोगिता में शासकीय महाविद्यालय तेंदूखेड़ा ने गाडरवारा को हराकर महिला कबड्डी टीम ने उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन करते हुए विजेता स्थान प्राप्त किया। एवं फाइनल मैच शासकीय महाविद्यालय तेंदूखेड़ा एवं शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय नरसिंहपुर के बीच हुआ जिसमें तेंदूखेड़ा महाविद्यालय उपविजेता रहा। प्रतियोगिता में शासकीय महाविद्यालय तेंदूखेड़ा के प्रभारी प्राचार्य डॉ. भानू प्रताप प्रजापति ने कोच एवं सहायक कोच दीपक प्रजापति के रूप में टीम का मार्गदर्शन एवं नेतृत्व किया। उनके मार्गदर्शन में खिलाड़ियों ने खेल भावना अनुशासन एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन का परिचय दिया। एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन से संभाग स्तर पर विनीता नोरिया एवं अनिता गौंड का चयन किया गया।